**2. गिरवी रखी गयी वस्तु के विक्रय तथा उससे ऋण रकम की वसूली के वाद**

......... न्यायालय

वाद सं ..............

.............. सन् २०२१

अबक ------ वादी

बनाम

कखग ------ प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी सर्वाधिक सादर पूर्वक निम्नलिखित रूप में निवेदन करता है -**

1. यह कि प्रतिवादी ने वादी के साथ ब्यौरेवार नीचे गिरवी रखे गये. सोने के कुछ आभूषणों के विरुद्ध

....... प्रतिशत वार्षिक दर पर ब्याज पर दिनांक .............. को वादी से .......... रुपये उधार ग्रहण किया।

**गिरवी रखे गये आभूषणों का विवरण**

|  |  |
| --- | --- |
| 1. 1) ...... .................................. तुलाई | 1. लगाया गया मूल्य ................ रुपये |
| 1. 2) .......................................... तुलाई | 1. लगाया गया मूल्य ................ रुपये |
| कुल मूल्यं ......................... रुपये | |

यह कि प्रतिवादी ने न तो दिनांक ................ से ब्याज का संदाय किया है और न ही अधिदाय की मूल रकम हेतु किसी भी रकम का संदाय किया है, और ब्याज ............... रुपये संचित हो गया है।

यह कि सोने का मूल्य कम हो गया है और आभूषण इस समय नहीं बेचे जाते है तो वादी की उपर्युक्त मूल रकम असंतुष्ट बनी रहेगी। वादी ने उस प्रतिवादी को इस प्रभाव की रजिस्ट्रीकृत नोटिस दी है जिसने दिनांक .................... को उसी को प्राप्त कर चुका है।

यह कि वाद हेतुक उसी समय दिनांक .... को पैदा हुआ जब प्रतिवादी ने उपर्युक्त माँग नोटिस प्राप्त की और न्यायालय को वाद का विनिश्चय करने की अधिकारिता थी।

यह कि वाद को दाखिल करने की तारीख तक अधिदाय की गयी मूल धन या रकम तथा उस पर ब्याज का मूल्यांकन........... रुपये किया जाता है, और न्यायालय शुल्क का तदनुसार संदाय कर दिया गया है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादी निम्नलिखित अनुतोषों का दावा करता है-

1. यह कि मूलधन............ रुपये तथा वाद पत्र दाखिल किया जाने की तारीख तक उस पर ब्याज ........... रुपये कुल ............... रुपये होने वाली संदाय करने की तारीख तक अग्रिम ब्याज सहित प्रतिवादी के विरुद्ध पारित किया जाये।
2. यह कि कथित आभूषणों का विक्रय किया जाने का आदेश किया जाय और उसके आगमो का समायोजन उपर्युक्त डिक्री के समाधान हेतु किये जाये।
3. यह कि यदि उपर्युक्त आगामी डिक्रीत रकम का समाधान करने के लिए अपर्याप्त साबित हो जाते हैं तो शेष रहने वाली रकम के लिए प्रतिवादी के विरुद्ध एक व्यक्तिगत डिक्री भी पारित की जाये।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी एतद्द्वारा सत्यापित करता हूँ कि वादपत्र की पैस ........... लगायत.............. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और उसके पैरा .............. तथा के वे सभी उसी विधिक सलाह पर आधारित है जिसको मैं सत्य होने पर विश्वास करता हूँ।

मैं दिनांक........... को सत्यापित किया गया।

वादी